

सीएसए के कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में योग पर हुआ सेमिनार

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में योग, रोग निवारण के वैज्ञानिक अनुसंधान और निष्कर्ष विषय पर एक सेमिनार का आयोजन कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन एवं अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा के कुशल नेतृत्व में संपादित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में पी डी राही, जिला प्रभारी, मुख्य प्रशिक्षक, पतंजलि योग समिति उपस्थित हुए। मुख्य वक्ता द्वारा बताया गया कि वह 85 वर्ष की उम्र के हैं, इस उम्र तक उन्होंने कोई भी दवाई का सेवन नहीं किया है जो की नियमित योग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कोई भी बीमार व्यक्ति किसी की भी मदद नहीं कर सकता। उन्होंने वात, पित्त, कफ और नाड़ियों के बारे में



विस्तार से बताया उन्होंने लोगों को दैनिक दिनचर्या का भी तरीका बताया। इसी क्रम में डॉक्टर प्रदीप कुमार सिंह भदौरिया द्वारा योग के विभिन्न कालों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई

गई। उन्होंने 500 ईसा पूर्व से योग के प्रचलन और उनके कालों के विभिन्न चरणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैदिक काल से सूर्य नमस्कार के प्रचलन को बताते हुए योग को अतुलनीय बताया।

इसी क्रम में हार्टफुलनेस संस्था के जिला प्रभारी डॉक्टर पंकज गुप्ता ने ध्यान के बारे में वैज्ञानिक शोधों को विस्तार से बताते हुए ध्यान से नकारात्मक विचारों से बचने की उपाय

बताएं। उन्होंने कहा नकारात्मक विचार हमारे मन मस्तिष्क और शरीर को विभिन्न व्याधियों से ग्रस्त कर देते हैं इसलिए ध्यान एक ऐसा माध्यम है कि जिससे आप रोगों का निदान कर सकते हैं। इस संस्था के डॉक्टर ज्ञानेंद्र सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ श्वेता दुबे ने किया। अंत में डॉक्टर एन के शर्मा, अधिष्ठाता ने योगासन और शारीरिक व्यायाम के बीच के अंतर को समझाया। उन्होंने बताया कि योग मन, मस्तिष्क और शरीर सभी को पुष्ट बनाता है। जबकि शारीरिक व्यायाम केवल शारीरिक सौष्ठव को बढ़ाता है। उन्होंने आए हुए सभी गणमान्य वक्ताओं, अतिथियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के यहां पर आने के लिए आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक अधिकारी छात्र और कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वरूप

कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में योग पर सेमिनार सम्पन्न

कानपुर (स्वच्छ संवाददाता)। सीएसए के अधीन संचालित कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में योग, योग विचारण के वैज्ञानिक अनुसंधान और निष्कर्ष विषय पर एक सेमिनार का आयोजन कुलायति डॉ. जगदीश कुमार सिंह के निर्देशन एवं अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा के कुशल नेतृत्व में संचालित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में पी. डी. राहो, जिला प्रभारी, मुख्य प्रशिक्षक, पारंपरिक योग सभिति उपस्थित हुए। मुख्य वक्ता द्वारा बताया गया कि यह 85 वर्ष की उम्र के हैं, इस उम्र तक उन्होंने कोई भी बताईं कर सेवन नहीं किया है जो को नियमित योग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कोई भी बीमार व्यक्ति किसी की भी मदद नहीं कर सकता।

उन्होंने वात, पित्त, कफ और नाड़ियों के बारे में विस्तार से बताया उन्होंने लोगों को दैनिक दिनचर्या का भी तरीका बताया। इसी क्रम में डॉक्टर प्रदीप कुमार सिंह भारद्वाज द्वारा योग के विभिन्न कालों को विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। उन्होंने 500 ईसा पूर्व से योग के प्रचलन और उनके कालों के विभिन्न चरणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैदिक काल से सूर्य नमस्कार के प्रचलन को बताया हुए योग की अनुश्रुतियों बताया। इसी क्रम में हार्टफुलनेस संस्था के जिला प्रभारी डॉक्टर पंकज गुप्ता ने ध्यान के बारे में वैज्ञानिक शोधों को विस्तार से बताते हुए ध्यान से तत्काराल्पक विचारों से बचने की उपाय बताएं। उन्होंने कहा तत्काराल्पक विचार हमारे मन भ्रष्टीक और शरीर को विभिन्न व्याधियों से ग्रस्त कर देते हैं इसलिए ध्यान



एक ऐसा माध्यम है कि जिससे आप रोगों का निदान कर सकते हैं। इस संस्था के डॉक्टर जगदीश सिंह ने भी

अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर शेख दुबे ने किया।

सीएसए के कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में योग पर हुआ सेमिनार



अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में योग, रोग निवारण के वैज्ञानिक अनुसंधान और निष्कर्ष विषय पर एक सेमिनार का आयोजन कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन एवं अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा के कुशल नेतृत्व में संपादित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में

श्री पी डी राही, जिला प्रभारी, मुख्य प्रशिक्षक, पतंजलि योग समिति उपस्थित हुए। मुख्य वक्ता द्वारा बताया गया कि वह 85 वर्ष की उम्र के हैं, इस उम्र तक उन्होंने कोई भी दवाई का सेवन नहीं किया है जो की नियमित योग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कोई भी बीमार व्यक्ति किसी की भी मदद नहीं कर सकता। उन्होंने वात, पित्त, कफ और नाड़ियों के बारे में विस्तार से बताया उन्होंने लोगो को दैनिक दिनचर्या का भी तरीका बताया। इसी क्रम में

डॉक्टर प्रदीप कुमार सिंह भदौरिया द्वारा योग के विभिन्न कालों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। उन्होंने 500 ईसा पूर्व से योग के प्रचलन और उनके कालों के विभिन्न चरणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैदिक काल से सूर्य नमस्कार के प्रचलन को बताते हुए योग को अतुलनीय बताया। इसी क्रम में हार्टफुलनेस संस्था के जिला प्रभारी डॉक्टर पंकज गुप्ता ने ध्यान के बारे में वैज्ञानिक शोधों को विस्तार से बताते हुए ध्यान से नकारात्मक

विचारों से बचने की उपाय बताएं। उन्होंने कहा नकारात्मक विचार हमारे मन मस्तिष्क और शरीर को विभिन्न व्याधियों से ग्रस्त कर देते हैं इसलिए ध्यान एक ऐसा माध्यम है कि जिससे आप रोगों का निदान कर सकते हैं। इस संस्था के डॉक्टर ज्ञानेंद्र सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता दुबे ने किया।

अंत में डॉक्टर एन के शर्मा, अधिष्ठाता ने योगासन और शारीरिक व्यायाम के बीच के अंतर को समझाया। उन्होंने बताया कि योग मन, मस्तिष्क और शरीर सभी को पुष्ट बनाता है। जबकि शारीरिक व्यायाम केवल शारीरिक सौष्ठव को बढ़ाता है। उन्होंने आए हुए सभी गणमान्य वक्ताओं, अतिथियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के यहां पर आने के लिए आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक अधिकारी छात्र और कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमर उजाला 19/06/2025

सेमिनार में दी पित्त व नाड़ियों की जानकारी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में योग, रोग निवारण के वैज्ञानिक अनुसंधान और निष्कर्ष विषय पर एक सेमिनार का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी पीडी राही मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि वह 85 वर्ष के हैं। अब तक उन्होंने किसी भी दवाई का सेवन नहीं किया है। उन्होंने वात, पित्त, कफ और नाड़ियों के बारे में विस्तार से बताया। हार्टफुलनेस संस्था के जिला प्रभारी डॉ. पंकज गुप्ता ने कहा नकारात्मक विचार हमारे मन मस्तिष्क और शरीर को विभिन्न व्याधियों से ग्रस्त कर देते हैं। ध्यान एक ऐसा माध्यम है कि जिससे आप रोगों का निदान कर सकते हैं। (ब्यूरो)

दैनिक

RNI No.- UPHIN/2007/27090

नगर छाया

आप की आवाज़....

www.nagarchhaya.com

7

पांच साल बाद टीवी पर लौटी 'हम पांच' फेम अ

कहा कि पांचका गणराज व्यवस्थापन का अनुकूल प्रदर्शक प्रस्ताव नगरछाया का संचालन करने के लिए मिला गया, आवक समस्तका का उत्कृष्ट सम्पादन किया। प्रमुखता आचार्य किया।

सीएसए के कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में योग पर हुआ सेमिनार

कानपुर (नगर छाया समाचार)।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में योग, रोग निवारण के वैज्ञानिक अनुसंधान और निष्कर्ष विषय पर एक सेमिनार का आयोजन कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन एवं अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा के कुशल नेतृत्व में संपादित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में श्री पी डी राही, जिला प्रभारी, मुख्य प्रशिक्षक, पतंजलि योग समिति उपस्थित हुए। मुख्य वक्ता द्वारा बताया गया कि वह 85 वर्ष की उम्र के हैं, इस उम्र तक उन्होंने कोई भी दवाई का सेवन नहीं किया है जो की नियमित योग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कोई भी बीमार व्यक्ति किसी की भी मदद नहीं कर सकता। उन्होंने वात, पित्त, कफ और नाड़ियों के बारे में विस्तार से बताया उन्होंने लोगों को दैनिक दिनचर्या का भी तरीका बताया। इसी क्रम में डॉक्टर प्रदीप कुमार सिंह भदौरिया द्वारा योग के विभिन्न कालों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। उन्होंने 500 ईसा पूर्व से योग के प्रचलन और उनके कालों के विभिन्न चरणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैदिक काल से सूर्य नमस्कार के प्रचलन को बताते हुए योग को अतुलनीय बताया। इसी क्रम में हार्टफुलनेस संस्था के जिला प्रभारी डॉक्टर पंकज गुप्ता ने ध्यान के बारे में



वैज्ञानिक शोधों को विस्तार से बताते हुए ध्यान से नकारात्मक विचारों से बचने की उपाय बताएं। उन्होंने कहा नकारात्मक विचार हमारे मन मस्तिष्क और शरीर को विभिन्न व्याधियों से ग्रस्त कर देते हैं इसलिए ध्यान एक ऐसा माध्यम है कि

जिससे आप रोगों का निदान कर सकते हैं। इस संस्था के डॉक्टर ज्ञानेंद्र सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता दुबे ने किया। अंत में डॉक्टर एन के शर्मा, अधिष्ठाता ने योगासन और शारीरिक

व्यायाम के बीच के अंतर को समझाया। उन्होंने बताया कि योग मन, मस्तिष्क और शरीर सभी को पुष्ट बनाता है। जबकि शारीरिक व्यायाम केवल शारीरिक सौष्ठव को बढ़ाता है। उन्होंने आए हुए सभी गणमान्य

वक्ताओं, अतिथियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के यहां पर आने के लिए आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक अधिकारी छात्र और कर्मचारी उपस्थित रहे।

